सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-611
14/12/2017

हमारे विकास की योजना का मतलब होता है सामाजिक सोच में परिवर्तन :– मुख्यमंत्री

पटना, 14 दिसम्बर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के पहले चरण के तीसरे दिन शिवहर जिले के तरियानी प्रखंड के सुरगाही ग्राम का भ्रमण कर विकसित बिहार के सात निश्चय और अन्य विकासात्मक योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लिया। अपनी समीक्षा यात्रा के तीसरे दिन मुख्यमंत्री सीतामढ़ी जिले के डुमरा प्रखंड के ग्राम बखरी का भ्रमण करने के बाद शिवहर जिला के सुरगाही ग्राम में बने हेलीपैड पहुँचें, जहाँ जिला प्रशासन द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्यमंत्री ने सुरगाही में ग्रामवासियों से मुलाकात कर गाँव के अंदर चल रही विकास कार्यों की पूरी जानकारी ली। ग्राम भ्रमण के क्रम में मुख्यमंत्री पवित्रा देवी, गजेंद्र पासवान, सहदेव पासवान जैसे अन्य कई ग्रामीणों से मुलाकात कर गाँव में नल का पानी, नाला की वर्तमान स्थिति से अवगत हुए। मुख्यमंत्री ने सुरगाही ग्राम के वार्ड संख्या– 3 में मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण गली–नाली पक्कीकरण योजना के तहत निर्मित योजनाओं का रिबन काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन किया। सुरगाही ग्राम भ्रमण के बाद मुख्यमंत्री जनसभा स्थल पहुँचे, जहाँ जदयू के कार्यकर्ताओं, चनेउ महासंघ एवं वार्ड मेम्बर संघ शिवहर की ओर से मुख्यमंत्री को माला पहनाकर स्वागत किया गया। जनसभा स्थल पर बने मंच से मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 244 करोड़ रुपये की लागत से कई योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिवहर पुलिस 'एक नजर' स्मारिका का विमोचन किया। कला जत्था के कलाकारों द्वारा बाल विवाह के खिलाफ गायन प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री के जनसभा संबोधन से पूर्व शिवहर जिलाधिकारी श्री राजकुमार ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंट किया। वहीं 10वीं कक्षा के छात्र कुमार विभू ने बिहार में हुई शराबबंदी के कारण परिवार में लौटी खुशहाली की चर्चा पर एक मंचन किया। गौरतलब है कि कुमार विभू ने अपने शराबी पिता को शराबबंदी के बाद भी शराब सेवन करने पर पुलिस को सूचना देकर उनकी गिरफ्तारी करवाई थी, जिसके बाद उसके पिता शराब पीना बंद कर दिए हैं। बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली मीना कुमारी ने मंच के माध्यम से बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ छेड़ी गयी मुख्यमंत्री की मुहिम की जमकर तारीफ करते हुए उनके इस सशक्त अभियान में पूरी तन्मयता के साथ जुड़ने की बात कही।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद देते हुए उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने फिर विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा शुरू की है। इस दौरान जिले के एक गांव जाकर विकास कार्यों का क्रियान्वयन सतह पर वे स्वयं देखते हैं, जिसमें सड़क, बिजली, स्कूल, अस्पताल हर तरह के जो विकास के कार्य हुए हैं, उन तमाम चीजों की जमीनी हकीकत से हम रू–ब–रू होते हैं। इसके अलावा सात निश्चय के तहत जो 4 निश्चय हैं, जिसका लाभ हर परिवार को मिलने वाला है, उसका भी हम निरीक्षण करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर

घर नल का जल, लोहिया स्वच्छ बिहार योजना के तहत हर घर को शौचालय, हर घर नाली गली का पक्कीकरण और जो गांव छूटे हुए हैं, उसके लिए भी योजना बनाई गई है। वहीं टोले को जोड़ने के लिए टोला निश्चय योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि गांव के अंदर लोगों को कीचड़ से निजात मिले, इसके लिए गांव के सभी रास्तों को पक्की सड़क से जोड़ा जा रहा है। जिन घरों से पानी निकलने का रास्ता नहीं है, वहां पानी सोखता बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे गांव को नल का स्वच्छ जल, पक्की नाली और गली के साथ ही नल का पानी विकेंद्रीकृत तरीके से योजनाओं को लागू करके मुहैया कराया जायेगा ताकि तेजी से काम हो सके और लोगों को 4 साल के अंदर सात निश्चय योजना के तहत जो लाभ मिलने हैं, वह मिलने लगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेलसंड सब डिवीजन में हम 2009 में विकास यात्रा के दौरान आए थे और वह पहला सब डिवीजन है, जो ओ0डी0एफ0 बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छ जल यदि लोगों को उपलब्ध हो जाए तो 90 प्रतिशत बीमारी से लोगों को छुटकारा मिल जायेगा। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में पानी की गुणवत्ता आर्सेनिक फ्लोराइड या आयरन से प्रभावित है, उन इलाकों में पी0एच0ई0डी0 विभाग के माध्यम से स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जा रहा है। जहां पानी की गुणवत्ता की समस्या नहीं है, वहां वार्ड वाइज पंचायतों के माध्यम से 4 साल के अंदर सभी घरों तक नल का जल पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 4 साल में इस योजना के तहत काम पूरे हो सकें, इसके लिए एक बार वह पहले देखने निकले थे और फिर उसकी जमीनी हकीकत क्या है, उसको देखने और समझने लोगों के बीच जा रहे हैं ताकि 4 साल में यह काम पूरा हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल हर घर तक बिजली का कनेक्शन पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है और इस साल के अंत तक कोई भी ऐसा गांव या बसावट नहीं बचेगा, जहां बिजली नहीं पहुंची हो। उन्होंने कहा कि अब बिजली की समस्या नहीं है और पूरे बिहार में लोगों को लगातार बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि बिजली गजब की चीज है उत्पादन, ट्रांसमिशन, सब ट्रांसमिशन के बाद ट्रांसफार्मर लगता है, फिर तार के माध्यम से बिजली लोगों के घरों तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि पहले जहां पटना और उसके आसपास बिजली रहती थी लेकिन अभी स्थिति पूरी तरह बदल गई है और बिहार के हर गांव तक बिजली पहुंची है। बिहार के नागरिकों को मौलिक सुविधाएं उपलब्ध हो जायें, वह निरंतर इसके लिए लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि आज 52 योजनाओं का 244 करोड रुपए की लागत से शिलान्यास और उद्घाटन हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा प्रकाशित पुस्तक का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां स्नातक महाविद्यालय की स्थापना की गई है, वहीं ए0एन0एम0 कॉलेज, टीचर ट्रेनिंग संस्थान, महिला आई0टी0आई0, सामान्य आई0टी0आई0, प्रखंड सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र, जी0एन0एम0 स्कूल, मंदिरों की घेराबंदी, ग्रामीण पथ का निर्माण, सौर ऊर्जा चलित जलापूर्ति योजना एवं बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज 4 ए के तहत बेलवा बागमती पुरानी धार पर हेड रेगुलेटर का निर्माण कार्य एवं गैप क्लोजर कार्य का शिलान्यास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में बिहार ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें पंचायती राज और नगर निकाय के चुनाव में 50 प्रतिशत का आरक्षण शिक्षक बहाली में 50 प्रतिशत का आरक्षण महिलाओं को दिया गया है। साथ ही साथ लड़कियों के लिए बालिका पोशाक योजना, बालिका साइकिल योजना की शुरुआत की गई, इसका नतीजा यह हुआ कि हाई स्कूल में लड़कियों की संख्या एक लाख 70 हजार से बढ़कर अब 9 लाख 30 हजार से भी ज्यादा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को राज्य सरकार की सभी सेवाओं में 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि समीक्षा यात्रा के क्रम में जिलों में जाते हैं तो गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है और वहां महिला

सिपाही की तादाद भी दिखाई पड़ती है, यह मामूली बात नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राजधानी पटना में साइकिल चलाती हुई लड़कियां नहीं दिखाई पड़ती थीं, अब बिहार के सुदूर गांवों में भी समूह में लड़कियां साइकिल चलाती हुई स्कूल पहुंच रही हैं। इससे लोगों की सोच और मानसिकता दोनों बदली है क्योंकि पहले अगर गांव में कोई लड़की साइकिल चलाती हुई दिखाई पड़ती थीं तो लोग कहा करते थे कि लड़की हाथ से निकल गई लेकिन अब वह पुरानी बातें हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शराबबंदी कर हमने सामाजिक परिवर्तन की बुनियाद रखी है, हमारा विकास का मतलब सामाजिक सोच में परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही बिहार में शराबबंदी लागू की गई, जिसका नतीजा हुआ कि अब न सिर्फ पूरे बिहार में अमन, चैन कायम है बल्कि महिला उत्पीड़न के मामले भी नगण्य हो गए हैं। लोगों के घरों में खुशहाली लौटी है, ऐसे में महिलाओं को निरंतर सजग रहने की आवश्यकता है क्योंकि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी सड़कों पर लिखा रहता है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी एवं नशामुक्ति के खिलाफ सशक्त अभियान चलाया जा रहा है लेकिन इसके लिए लोगों को आगे आना होगा, लोगों को जागरुक होना होगा। रोहतास और वैशाली की घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आह्वान किया कि दो नंबर के धंधे में लगे लोगों को पकड़वाने के लिए वह निरंतर प्रयत्नशील रहे इसके लिए हम सरकारी तंत्र को और भी दुरुस्त करने में जुटे हैं ताकि ऐसे लोगों पर नकेल कसी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों और युवाओं को इसके लिए विशेष तौर पर सजग होना होगा और सरकार के स्तर से सी0आई0डी0 में एक अलग तंत्र बनाया जा रहा है। साथ ही गांव में जो ट्रांसफार्मर के खंभे हैं, उस पर पुलिस वाले और मध निषेध विभाग का एक टेलीफोन नंबर भी बोर्ड पर लगवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पटना में हम एक ऐसा तंत्र बना रहे हैं कि दो नंबर के कारोबार में लगे लोग बच न सकें। पुलिस महानिदेशक को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति शराब के कारोबार में जुटे दो नंबर के लोगों की सूचना देता है तो 'अब अच्छा देखते हैं' कहने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि दारोगा की ही तरह चौकीदार बाबू को भी जिम्मेदार बनाया जा रहा है क्योंकि गांव की हर गतिविधि की जानकारी चौकीदार को होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी तंत्र को और अधिक सख्त बनाने के लिए वे कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे लेकिन जब तक आप जागरुक नहीं होंगे सिर्फ कानून और पुलिस तंत्र को मजबूत कर देने से कामयाबी नहीं मिलेगी। दहेज प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ छेड़े गए सशक्त अभियान की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह और दहेज प्रथा पर जो भाषण करवाया गया, उसे देखकर मुझे काफी प्रसन्नता है। छोटा जिला होने के बाद भी शिवहर में इतनी जागृति है। उन्होंने कहा कि दहेज लेना कानूनन अपराध है और 21 साल से कम उम्र के लड़के और 18 साल से कम उम्र की लड़की का विवाह भी कानूनन जुर्म है लेकिन सामाजिक जागरुकता की कमी के कारण यह सामाजिक कुरीतियां आज भी हमारे समाज में व्याप्त है। लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप मन बनाइए, संकल्प लीजिए कि जो कोई भी दहेज लेकर अपने बेटे की शादी करेगा, हम उसके शादी समारोह में शरीक नहीं होंगे। आप अगर ऐसा करेंगे तो वह एक्सपोज हो जाएगा और फिर समाज को इन कुरीतियों से छुटकारा मिलेगा। 1917 में महात्मा गांधी द्वारा किए गए चंपारण सत्याग्रह की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्याग्रह के माध्यम से गांधी जी ने नील्हों के अत्याचार से किसानों को मुक्ति दिलाई और बापू स्वयं भी स्थानीय लोगों के बयान दर्ज करने लगे, जिसका इतना व्यापक प्रभाव पड़ा कि अंग्रेजी हुकूमत को कानून तक बदलना पड़ा। 21 जनवरी 2017 को शराबबंदी से नशामुक्ति को लेकर बनी मानव श्रृंखला में चार करोड़ लोगों की रिकॉर्ड भागीदारी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि

इस बार 21 जनवरी 2018 को एक बार फिर पूरे बिहार में मानव श्रृंखला बनने वाली है, जो शराबबंदी से नशामुक्ति के साथ बाल विवाह उन्मूलन और दहेज प्रथा के खिलाफ होगा। ऐसे में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो ताकि इन सामाजिक कुरीतियों को हमेशा–हमेशा के लिए खत्म किया जा सके। जनसभा में मौजूद लोगों को हाथ उठाकर संकल्प दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप आश्वस्त करें कि 21 जनवरी 2018 को मानव श्रृंखला सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ पूरे बिहार में बनेगी, उसमें आप भागीदार होंगे और इसमें आपकी भागीदारी आपकी भावना को प्रकट करेगा। उन्होंने कहा कि विकास के साथ सामाजिक सुधार करके ही कामयाबी मिलेगी।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री एवं शिवहर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राणा रणधीर सिंह, विधायक श्रीमती सुनीता सिंह चौहान, विधायक मो0 सरफरुद्दीन, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष श्री राम एकबाल राय क्रांति, लोजपा जिलाध्यक्ष श्री विजय पाण्डेय, रालोसपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री इमामुद्दीन साहब, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री प्रत्यय अमृत, ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग के सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव श्री विनय कुमार, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री बाला मुरूगन डी0, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, शिवहर के जिलाधिकारी श्री राजकुमार, शिवहर पुलिस अधीक्षक श्री प्रकाश नाथ मिश्र सहित स्थानीय नेतागण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******